INS
THE INDIAN NEWSPAPER SOCIETY
Member
The Indian Newspaper Society

वर्ष II अंक 6
अप्रैल 2017
कुल पृष्ठ संख्या : 132
(आवरण सहित)
मूल्य ₹50

संपादक
डॉ. संजय
कार्यकारी संपादक
डॉ. पवन कुमार
सहायक संपादक
जावेद आर सिद्दीकी
अनुसंधान टीम
एम टायरा
नागेन्द्र कुमार सिन्हा
के कुन्दन
नरेन्द्र कुमार
राजीव कुमार सिंह
रवि रंजन
आशुतोष महाराज
उमाकांत शुक्ला
सलाहकार संपादक
चेतनानंद सिंह
ग्राफिक्स, लेजर टाइपसेटिंग एवं आवरण सज्जा
अभ्यानन्द सिन्हा, प्रमोद झा, पंकज नारंग

बीएससी पब्लिशिंग कं. प्रा. लि.
के लिए प्रकाशक और मुद्रक
मनोज कुमार द्वारा
एल.बी. इंटरप्राइजेज,
जी-24, गांव-गागीपुर,
दिल्ली-110096 से मुद्रित व
सी-37, गणेश नगर,
पांडव नगर कॉम्पलेक्स,
दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **डॉ. संजय**

दो शब्द.....

प्रतिभा के विकास में बुद्धि आवश्यक तो है लेकिन सर्वसमर्थ नहीं। बुद्धिमान होते हुए भी विद्यार्थी पाठ याद न करे, पहलवान व्यायाम छोड़ दे, संगीतज्ञ अभ्यास छोड़ दे, चित्रकार तूलिका का प्रयोग न करे, कवि भाव-संवेदनाओं को संजोना छोड़ दे, तो उसे प्राप्त क्षमता भी क्रमशः क्षीण होती जाएगी। जबकि बुद्धि की दृष्टि से कम परंतु अभ्यास में मनोयोगपूर्वक लगा व्यक्ति अपने भीतर असामान्य क्षमताएं विकसित कर लेता है।

मानव शरीर अनगढ़ है और वृत्तियां असंयमित। इन्हें सुगढ़ एवं सुसंयमित करना ही अभ्यास का लक्ष्य है। अभ्यास से ही आदतें बनती हैं और अंततः सफलता का रूप लेती हैं। व्यक्ति अक्सर किसी कार्य को करने में अपने को असमर्थ मानता है। उन्हें असंभव जानकर प्रयास नहीं करता, फलस्वरूप कुछ विशेष नहीं कर पाता। जबकि किसी भी कार्य को करने का संकल्प कर लेने एवं आत्मविश्वास जुटा लेने वाला व्यक्ति उसमें अवश्य सफल होता है। सतत अभ्यास के द्वारा शरीर एवं मन को असामान्य कार्यों को करने के लिए तैयार किया जाता है।

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में हर कोई सबसे आगे जाना चाहता है। हर कोई जीतना चाहता है। परन्तु इस बात पर गौर करना ज्यादा जरूरी है कि हमने सफलता की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए ईमानदारी से कितनी कोशिश की। जिंदगी की प्रत्येक दौड़ में कभी किसी को सफलता मिलती है तो कभी किसी को असफलता का सामना करना पड़ता है। लेकिन यदि हम अपना दिमाग खुला रखें तो हर अनुभव हमें समृद्ध बनाता है।

अभ्यास एक ऐसा गुण है जो उपलब्धियों एवं सफलताओं का रास्ता प्रशस्त करता है। जीवन में नित नई बातों को सीखना तथा उसका अभ्यास करते रहना ही जीवन की विकास प्रक्रिया है। कोई भी व्यक्ति सर्वगुण सम्पन्न नहीं होता और न ही ज्ञान का भंडार लेकर पैदा होता है। हर कोई निरंतर अभ्यास से अपनी कार्यकुशलता और ज्ञान को बढ़ाता है।

खरगोश और कछुए की कहानी लगभग सभी ने पढ़ी होगी। खरगोश और कछुआ तो प्रतीक मात्र हैं। हमलोगों की कार्यपद्धति भी इन्हीं दो श्रेणियों में बंटी है। कोई निरंतर अभ्यास से अपनी कार्यकुशलता को निखारता है और लक्ष्य के लिए जुनून की हद तक कोशिश करता है, तो कोई अतिआत्मविश्वास की वजह से सक्षम होते हुए भी लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाता है।

प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना पत्रिका के किसी भी भाग का पुनःप्रकाशन नहीं किया जा सकता है।

इस अंक में ...

ट्रंप की नीतियां और भारत संबंधों की नई शुरुआत
4
सामयिक मुद्दे
5
मैच पॉइंट
7
समसामयिकी
9
प्रैक्टिस सेट
एसबीआई पीओ (पीटी)
26
प्रिवियस पेपर
आईबीपीएस क्लर्क (पीटी)
47
प्रिवियस पेपर
आर.आर.बी. ऑफिसर स्केल-I (पीटी)
57
प्रैक्टिस सेट
आईबीपीएस पीओ (पीटी)
74
प्रैक्टिस सेट
आईबीपीएस पीओ (मुख्य परीक्षा)
85
प्रैक्टिस सेट
एसएससी संयुक्त स्नातक स्तर टियर-I
108
ज्ञानकोश
126

BSC Courses के लिए हमारी वेबसाइट पर संपर्क करें
www.bscacademy.com, www.bsccareer.com
आप ई-मेल कर सकते हैं : ***bscacademy@gmail.com, bscpublication@gmail.com***
फोन : ***011-22484910, 011-22484911, 011-22484912, 011-22484913***

अर्थव्यवस्था

बैंकिंग

छठी द्विमासिक मौद्रिक नीति

8 फरवरी 2017 को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर डॉ. उर्जित पटेल एवं मौद्रिक नीति समिति द्वारा वित्त वर्ष 2016-17 की छठी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा की गई। भारतीय रिजर्व बैंक ने छठी द्विमासिक मौद्रिक नीति में नीति दरों, आरक्षित नगदी निधि अनुपात, निवल मांग एवं मियादी देयताओं को अपरिवर्तित रखा है।

महत्त्वपूर्ण बिंदु

- इस मौद्रिक नीति वक्तव्य में चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के अंतर्गत रेपो दर में कोई परिवर्तन किए बिना इसे **6.25 प्रतिशत** पर रखा गया है।
- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के सांविधिक चलनिधि अनुपात (एसएलआर) को अपरिवर्तित रखते हुए **20.75 प्रतिशत** पर बरकरार रखा गया है।
- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के नगद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को अपरिवर्तित रखते हुए इसे निवल मांग और मियादी देयताओं (एनडीटीएल) के **4 प्रतिशत** पर बरकरार रखा गया है।
- परिणामतः चलनिधि समायोजन सुविधा के अंतर्गत रिवर्स रेपो दर **5.75 प्रतिशत** तथा सीमांत सुविधा दर (एमएसएफ) और बैंक दर **6.75 प्रतिशत** है।
- भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 2016-17 में जीवीए व द्धि के **6.9 प्रतिशत** तथा वर्ष 2017-18 में **7.4 प्रतिशत** रहने का अनुमान लगाया है।
- वित्त वर्ष 2017-18 की पहली छमाही में मुद्रास्फीति के **4.0** से **4.5 प्रतिशत** तथा दूसरी छमाही में **4.5** से **5.0 प्रतिशत** रहने का अनुमान लगाया गया है।

आरआरबी की गोल्ड लोन सीमा में व द्धि

16 फरवरी 2017 को भारतीय रिजर्व बैंक ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) द्वारा गोल्ड लोन देने की सीमा में व द्धि करने का फैसला किया। आरआरबी अब **दो लाख रुपए** तक का गोल्ड लोन दे सकते हैं। पूर्व में यह सीमा एक लाख रुपए थी। इसके लिए रिजर्व बैंक द्वारा रखी शर्तों के अनुसार यह ऋण 12 माह से अधिक समय के लिए नहीं दिया जा सकता है। ब्याज मासिक आधार पर लगाया जाएगा, जिसकी वसूली मूलधन सहित 12वें महीने के अंत में की जाएगी। आरआरबी को ऋण की राशि सदैव जमा कराए गए सोने की कीमत का 75 प्रतिशत या उससे कम रखनी होगी। ऐसा नहीं करने पर ऋण गैर निष्पादित परिसंपत्ति की श्रेणी में माना जाएगा।

ओरिएण्टल बटुआ

75वें स्थापना दिवस के अवसर पर ओरिएण्टल बैंक ऑफ कॉमर्स (ओबीसी) ने एक मोबाइल वॉलेट 'ओरिएण्टल बटुआ' सहित कई डिजिटल पहल की शुरुआत की है। ओबीसी ने दो नए कार्ड की भी शुरुआत की है। 'ओरिएण्टल प्रीमियम कार्ड' एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस के साथ एक रुपे आधारित प्लैटिनम इंटरनेशनल डेबिट कार्ड है तथा दूसरा कार्ड 'ओरिएण्टल प्रीपेड कार्ड' व्यक्तियों और कंपनियों के लिए एक रुपे कार्ड है। इसके साथ ही ओबीसी द्वारा दो एमएसएमई योजनाएं 'ओरिएण्टल संजीवनी' और 'ओरिएण्टल बजट होटल्स एंड रेस्टोरेंट्स' भी शुरू की गई है।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 6 फरवरी 2017 को **बेंगलुरु** में पांच बैंक शाखाओं की एक पायलट परियोजना को शुरू करते हुए औपचारिक रूप से अपनी बैंकिंग सेवाओं को शुरू कर दिया। इसी के साथ यह भारत के बैंकिंग क्षेत्र में प्रवेश करने वाला सबसे नया बैंक भी बन गया।

उल्लेखनीय है कि उज्जीवन देश में बैंकिंग सेवाओं से अभी तक दूर रहने वाले व कम सेवाएं प्राप्त करने वाले ग्राहकों को जोड़ कर अगले पांच वर्षों में खुदरा बैंकिंग में एक बड़ा प्रतिष्ठान बनने की इच्छा रखता है। बैंक द्वारा बचत बैंक खातों पर **4 प्रतिशत** ब्याज प्रदान किया जाएगा वहीं फिक्स्ड तथा आवर्ती जमा खातों पर ब्याज दर **5.5 प्रतिशत** से **8 प्रतिशत** के बीच रखी जाएगी।

इस बैंक की होल्डिंग कम्पनी का नाम उज्जीवन फाइनेंशियल सर्विसेज है जो एक गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनी है। वहीं इस बैंक को ब्रिटेन के सीडीसी समूह का समर्थन प्राप्त है। इसे देश में स्मॉल बैंक व्यवसाय का लाइसेंस आरबीआई से 2015 में दस अन्य उपक्रमों के साथ मिला था।

साइबर सुरक्षा हेतु आरबीआई पैनल

साइबर सुरक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने एक अंतर अनुशासनात्मक पैनल स्थापित करने का निर्णय लिया है जो विभिन्न खतरों की जांच करने और उन्हें डील करने के उपाय सुझाएगा। यह पैनल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर आधार पर मौजूदा या उभरते खतरों की समीक्षा करेगा।

साथ ही यह पैनल विभिन्न सुरक्षा मानकों/प्रोटोकॉल को अपनाने के लिए भी अध्ययन करेगा और हितधारकों के साथ इंटरफेस के रूप में भी कार्य करेगा। यह साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उचित नीतिगत हस्तक्षेप का सुझाव भी देगा। यह निर्णय हेमचन्द्र मीणा की अध्यक्षता वाले 'सूचना प्रौद्योगिकी परीक्षा एवं

शीघ्र सब्सक्राइब करें! "बैंकिंग सर्विसेज़ क्रॉनिकल"

कृपया इस कूपन को काटकर अपने भुगतान के साथ हमें मेल करें।

हाँ! मुझे मेरा "बैंकिंग सर्विसेज़ क्रॉनिकल" भेजें

16.5% छूट के साथ 3 महीनों के लिए अर्थात् ₹125/- ☐ 25% छूट के साथ 6 महीनों के लिए अर्थात् ₹225/- ☐

30% छूट के साथ 1 वर्ष के लिए अर्थात् ₹420/- ☐

नाम : ..... **आयु :** .....

पता : .....

.....

.....

राज्य : ..... **पिन :** .....

मोबाइल नं. : ..... **ई-मेल :** .....

नोट : *यह आवश्यक है कि आप अपना मोबाइल नं. या ई-मेल (कम से कम दो में से कोई एक) हमें दें। इसके उपरांत ही सब्सक्रिप्शन के लिए आपके अनुरोध को स्वीकार किया जाएगा।*

सब्सक्रिप्शन दर (प्रति वर्ष 12 अंक) NEWS STAND @ ₹50/-

समयावधि	**तीन माह**	**छः माह**	**एक वर्ष**
News stand	₹150.00	₹300.00	₹600.00
आपको भुगतान करना है	₹125.00	₹225.00	₹420.00

मैं "**BSC Publishing Co. Pvt. Ltd.**" payable at **Delhi** के पक्ष में डिमांड/मनीऑडर नं. .....दिनांक.....राशि ₹..... बैंक का नाम ..... संलग्न कर रहा/रही हूं।

इसे सब्सक्रिप्शन मैनेजर, **BSC PUBLISHING CO. PVT. LTD.,** सी-37, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्ली–110092 के पास भेजें। सब्सक्रिप्शन प्रारंभ करने के लिए क पया हमें 4-6 सप्ताह का समय दें। पत्रिका प्रतिमाह साधारण डाक से आपको भेजी जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए हमें **bscpublication@gmail.com** पर ई-मेल करें।